फरवरी 2017

वर्ष 29 सप्तम अंक

सामान्य ज्ञान दर्पण

इस अंक में...

8 सफल होना है तो कार्यशील बनो

विशेष स्तम्भ

9 समसामयिक सामान्य ज्ञान
17 आर्थिक परिदृश्य
19 राष्ट्रीय परिदृश्य
26 अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य
32 क्रीड़ा जगत्
35 विज्ञान समाचार
38 समसामयिक महत्वपूर्ण तथ्य
39 सारभूत तत्व कोष
43 युवा प्रतिभाएं

लेख

45 आर्थिक लेख—भ्रष्टाचार से मुक्ति का नया उपाय बेनामी सम्पत्ति पर चोट के लिए कानून
46 वित्तीय आलेख—विनिर्माण के क्षेत्र में मुद्रा बैंक योजना का महत्व
48 विज्ञान लेख—नैनो ऑप्टिकल ट्रांजिस्टर एवं प्रकाश-तंतु
50 द्विपक्षीय सम्बन्ध—भारत-न्यूजीलैण्ड के बीच बढ़ते सम्बन्ध
51 संवैधानिक लेख—राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग: वांछनीयता और संवैधानिकता
55 अन्तरिक्ष लेख—स्क्रैमजेट इंजन का सफल परीक्षण : इसरो की एक बड़ी कामयाबी
56 उत्तर प्रदेश वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान

हल प्रश्न-पत्र

60 पटना विश्वविद्यालय एम.एड. प्रवेश परीक्षा, 2016
65 मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग खण्ड विकास अधिकारी (सीमित विभागीय) परीक्षा, 2016
69 मध्य प्रदेश पुलिस आरक्षक (जी.डी.) भर्ती परीक्षा, 2016
76 दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन जूनियर इंजीनियर (इलेक्ट्रॉनिक्स) परीक्षा, 2016
84 एस.एस.सी. संयुक्त हायर सेकण्डरी लेवल (10+2) परीक्षा, 2015
97 आर.आर.बी. (एन.टी.पी.सी.) परीक्षा, 2016

स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया लिपिकीय संवर्ग (मुख्य) परीक्षा, 2016

107 तार्किक योग्यता एवं कम्प्यूटर अभियोग्यता
112 मात्रात्मक अभियोग्यता
117 सामान्य एवं वित्तीय सचेतता
120 General English
125 वार्षिक रिपोर्ट 2015-16 : आवास और शहरी गरीबी उपशमन क्षेत्र में अनुसंधान, विकास, स्कीम्स एवं प्रोग्राम्स के बढ़ते चरण-सिंहावलोकन
128 ज्ञान वृद्धि कीजिए
130 रोजगार समाचार

सामान्य ज्ञान दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. —सम्पादक

• **E-mail :** publisher@pdgroup.in • **Website :** www.pdgroup.in

सफल होना है तो कार्यशील बनो

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

''आप जो कुछ चाहते हैं, वह आपको मिल जाएगा, यदि आप यह विचार त्यागने के लिए तैयार हैं कि आप उसे प्राप्त नहीं कर सकते.''

– रॉबर्ट एन्थनी

सफल होने के सैकड़ों उपाय हर रोज पढ़ने व सुनने को मिलते रहते हैं. शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति मिले जो ये न जानता हो कि सफलता के लिए हमें क्या करना चाहिए ? हमें विनम्र होना चाहिए, लगन-सचेतता, धैर्य-आत्मविश्वास से अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहिए. असफल-ताओं से घबराना नहीं चाहिए. ये सब बातें बहुत आम हो गई हैं. आज सवाल यह नहीं बचा कि हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं ? सम्भवतया हर कोई इस तथ्य को जानता और समझता है, किन्तु जीवन में उतार नहीं पाता. इसका कारण क्या है ? इसका कारण है हम जिन चीजों से सफल होना चाहते हैं, उनको अपनाने में सतत् कार्यशील होना सफलता की पहली शर्त है, उद्यमी होना होता है. आज हर के पास बहुत अच्छे-अच्छे विचार हैं, परन्तु उनको क्रियान्वित करना हर किसी के वश की बात नहीं, क्योंकि प्रायः लोगों के दिमाग में कुछ बाधाएं होती हैं जिन्हें वे पार नहीं कर पाते. आइए जानें, ऐसे कुछ बाधाओं के बारे में ...

1. कुछ अच्छा नहीं हुआ, तो .....
2. किसी को बुरा लग गया, तो .....
3. क्या मैं इसे कर पाऊँगा ?
4. आज तक किसी ने ऐसा किया क्यों नहीं ?
5. लोग क्या कहेंगे ?
6. अगर मेहनत सफल नहीं हुई, तो ...
7. जमाना बहुत खराब है, कोई किसी को कुछ नहीं देता.
8. मैं बहुत Unlucky हूँ.
9. मेरे अकेले के करने से हो भी क्या जाएगा ?
10. मैं ही क्यों करूँ ? अपनी नींद खराब क्यों करूँ ?
11. आज दिन तक इतना किया मैंने, मुझे मिला क्या ?

उपर्युक्त बातें व विचार अनेक बार हम सबके भीतर घूमते रहते हैं. ये ही वे बाधाएं हैं जिनके कारण हम अनुद्यमी बने रहते हैं. अपनी शक्तियों का सही उपयोग नहीं कर पाते.

समण भगवान महावीर व समण गौतम बुद्ध अपने शिष्यों को कहा करते कि–

'णो णिण्हवेज्ज वीरियं.'

अर्थात् अपनी शक्तियों को छिपाओ मत. आपमें आत्मबल है, उसे जगाओ. उपयोग में लाओ. कार्यशील बनो. बिना लगन के, बिना कार्यशीलता के आज दिन तक इस विश्व में कुछ भी सृजित नहीं हो पाया है. एक भ्रमर भी अपनी कार्यशीलता के कारण फूलों पर मँडराता रहता है, पराग कणों को संसारित करता है, मधु बना पाता है. एक चींटी भी चलते-चलते पहाड़ों को लाँघ जाती है. पानी की सतत् बहती धारा चट्टानों को भी तोड़ देती है. यह श्रमिकों की कार्यशीलता ही है, जो इतनी ऊँची व भव्य इमारतें खड़ी कर देती हैं. यदि एक विद्यार्थी हर क्षण प्रत्येक कण से कुछ न कुछ सीखता जाए, तो वह एक दिन महान् विद्वान्, शिक्षक या वैज्ञानिक बन सकता है.